मेसर्स.गणेश सातारकर प्रकाशित

कंबोडिया का संविधान

ISBN: 978-81-999240-2-4

Author: - MR.GANESH SHRIRANG SATARKAR

LL.M

Advocate, Bombay High Court

M/s.Adv.Ganesh Shrirang Satarkar & Co.
Published By This Book
Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932

1. **BOOK TITLE : कंबोडिया का संविधान**
2. **LANGUAGE:** HINDHI
3. **ISBN: 978-81-999240-2-4**
4. **EDITION:** FIRST EDITION
5. **AUTHOR: Mr. GANESH SHRIRANG SATARKAR**
6. **PUBLISHER/ PUBLISHING AGENCY** :-
7. **M/s. SHRIRANG SAVALA NALE HUF.** SHIVNERI, GAT NO 153, FARANDWADI, MANE MALA TAL PHALTAN, DIST - SATARA. MAHARSHTA, PIN 415523 INDIA
8. **CONTACT DETAILS:**
   MOBILE: +91 7066766607 **EMAIL:** GANESHNALE0@GMAIL.COM
9. **YEAR OF PUBLICATION:** 2026
10. **FORMAT:** SINGLE-COMPONENT RETAIL PRODUCT (BOOK)
11. **PRICE (IN INDIA):** ₹ 10 /- (**Printed and Published in India)**

COPYRIGHT & PUBLICATION STATEMENT

© 2026 **Mr. Ganesh Shrirang Satarkar (Nale)**
All rights reserved.
Disclaimer:
This publication is protected under applicable copyright laws. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, digitized, scanned, transmitted, copied, shared, sold, or circulated in any form or by any means—electronic, mechanical, photocopying, recording, audio-visual, digital, or online—without the prior written permission of the author and the publisher, except for brief quotations permitted strictly for academic, educational, research, or review purposes This book has been authored with the sole objective of presenting research-based, educational, and informative content in a clear, responsible, and accessible manner for students, scholars, and general readers. There is no intention whatsoever to offend, defame, misrepresent, or harm the sentiments, beliefs, dignity, or rights of any individual, community, group, culture, religion, or institution. All references are included purely for scholarly discussion. Every effort has been made to ensure accuracy; however, inadvertent errors may occur. Readers are requested to inform the publisher for correction in future editions. Unauthorized reproduction or piracy is punishable under law.

BIOGRAPHY : ADV. GANESH SHRIRANG SATARKAR

Adv. Ganesh Shrirang Satarkar is an emerging legal scholar, researcher, and academic contributor working at the intersection of law, criminology, sociology, and digital governance. He is currently associated with the Central University of Haryana, where he is pursuing postgraduate research in sociology alongside his interdisciplinary work in legal studies.

He holds an LL.M. in Criminal Law, LL.B. (Special), and has qualified the UGC-NET in both Law and Criminology. His academic research focuses on criminal justice systems, cybercrime, artificial intelligence in law, media and crime, governance studies, and socio-legal research.

Adv.Ganesh has contributed to national and international academic platforms through research publications, conference papers, and interdisciplinary collaborations. His work explores emerging legal challenges in areas such as digital justice, cyber security, social justice, gender studies, and technological transformations in legal systems.

He is actively connected with several international academic and research platforms including ORCID, Web of Science, SSRN, Vidwan (INFLIBNET), Google Scholar, OSF, and Harvard Dataverse.

Author Bio Researcher Profiles :

1. ResearchIDs : rid131046
2. Orcid Id : https://orcid.org/my-orcid?orcid=0000-0001-8474-7432
3. ISNI : https://isni.org/isni/0000000529498911
4. Web of Science ResearcherIDOYE-6264-2025
5. Social science research network SSRN Author ID: 9293272
6. Vidwan Profile URL: https://vidwan.inflibnet.ac.in/profile/666713
7. Google Scholar : https://scholar.google.com/citations?hl=en&user=4MrvCEwAAAAJ
8. OSF ID : https://osf.io/cndj8/
9. harvard.edu : https://dataverse.harvard.edu/dataverse/GANESHSHRIRANGSATARKAR).
10 https://about.me/adv.ganeshsatarkar

Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932

ADV. GANESH SHRIRANG SATARKAR

CERTIFICATE

OF WORLD RECORD

Proudly Presented To

Ganesh Shrirang Satarkar

In recognition of the outstanding achievement of becoming the First Indian to Translate and Publish the Constitutions of All 54 African Countries into Hindi as Separate ISBN-Registered Books, demonstrating exceptional dedication, scholarly excellence, and a significant contribution to legal literature and linguistic accessibility, thereby establishing a distinguished and historic record of academic accomplishment.

We officially announce the above-mentioned candidate as a globally certified **"Inspiration World Record Holder"**.

The certificate was issued on 27th February, 2026.

INSPIRATION IS WHERE PASSION BECOMES LEGACY

CERTIFIED

Application No. IWR/2026/UR0173
Certificate No. IWR/2026/WRH0081
Issued By: Chief Adjudicator

ISO CERTIFIED

VISHWAGURU ARPANAM 2026

VIA2025/SS-VA2025AZ760-2025-170/09102025

2 025100 900010

ISO 9001:2015 Registration No: QT-56622/0925
Micro, Small, and Medium Enterprises Registration Number: 11-0093948
Trademark Registered Under the Act of "TRADE MARKS ACT, 1999"

© www.inspirationworldrecords.org

कंबोडिया का संविधान

कंबोडिया का संविधान

1. देश का नाम

Cambodia

देश का आधिकारिक नाम: किंगडम ऑफ कंबोडिया (Kingdom of Cambodia)

---

2. संविधान का नाम

कंबोडिया का संविधान, 1993

(2008 तक संशोधित)

---

3. संविधान के अध्याय (Chapters)

कंबोडिया के संविधान में कुल **16 अध्याय (Chapters)** तथा अनेक अनुच्छेद (Articles) हैं।

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम	अनुच्छेद
अध्याय I	संप्रभुता (Sovereignty)	अनुच्छेद 1–6
अध्याय II	राजा (The King)	अनुच्छेद 7–30
अध्याय III	नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य	अनुच्छेद 31–50
अध्याय IV	राजनीतिक व्यवस्था	अनुच्छेद 51–55
अध्याय V	अर्थव्यवस्था	अनुच्छेद 56–64
अध्याय VI	शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक कार्य	अनुच्छेद 65–75
अध्याय VII	राष्ट्रीय सभा	अनुच्छेद 76–98

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Cambodia

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम	अनुच्छेद
अध्याय VIII	सीनेट	अनुच्छेद 99–115
अध्याय IX	राष्ट्रीय सभा और सीनेट की कांग्रेस	अनुच्छेद 116–117
अध्याय X	शाही सरकार	अनुच्छेद 118–127
अध्याय XI	न्यायपालिका	अनुच्छेद 128–135
अध्याय XII	संवैधानिक परिषद	अनुच्छेद 136–144
अध्याय XIII	प्रशासन	अनुच्छेद 145–146
अध्याय XIV	राष्ट्रीय कांग्रेस	अनुच्छेद 147–149
अध्याय XV	संविधान संशोधन	अनुच्छेद 150–153
अध्याय XVI	संक्रमणकालीन प्रावधान	अनुच्छेद 154–158

---

4. संविधान के अनुच्छेद (Articles)

कंबोडिया के संविधान में कुल **158 अनुच्छेद** हैं।
इसके अतिरिक्त कुछ अतिरिक्त प्रावधान भी दिए गए हैं।

---

5. सभी अध्यायों का संक्षिप्त विवरण

अध्याय I – संप्रभुता

यह अध्याय कंबोडिया की राष्ट्रीय संप्रभुता, स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को परिभाषित करता है। इसमें बताया गया है कि कंबोडिया एक संवैधानिक राजतंत्र है। राष्ट्र का आदर्श वाक्य "Nation, Religion, King" है। राजधानी फ्नोम पेन्ह तथा आधिकारिक भाषा खमेर है।

अध्याय II – राजा

इस अध्याय में राजा की स्थिति, शक्तियाँ तथा उत्तराधिकार की व्यवस्था दी गई है। कंबोडिया में राजा शासन नहीं करता बल्कि राष्ट्र की एकता का प्रतीक होता है। राजा प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है और महत्वपूर्ण संवैधानिक कार्य करता है।

अध्याय III – नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य

यह संविधान का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। इसमें नागरिकों को मौलिक अधिकार दिए गए हैं, जैसे:

- समानता का अधिकार
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
- धर्म की स्वतंत्रता
- शिक्षा का अधिकार
- मतदान का अधिकार
- महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा

इसके साथ नागरिकों के कर्तव्यों का भी वर्णन है।

अध्याय IV – राजनीतिक व्यवस्था

यह अध्याय बहुदलीय लोकतंत्र की स्थापना करता है। इसमें शक्तियों के विभाजन तथा लोकतांत्रिक सिद्धांतों की व्याख्या की गई है।

अध्याय V – अर्थव्यवस्था

इस अध्याय में आर्थिक नीति, कृषि, उद्योग, प्राकृतिक संसाधनों तथा निजी संपत्ति के संरक्षण का उल्लेख है। राज्य को आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने का दायित्व दिया गया है।

अध्याय VI – शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक कार्य

यह अध्याय शिक्षा और सांस्कृतिक विकास पर केंद्रित है। इसमें राज्य को शिक्षा, विज्ञान, कला और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी दी गई है।

अध्याय VII – राष्ट्रीय सभा

राष्ट्रीय सभा कंबोडिया की निचली संसद है। इसके सदस्यों का चुनाव जनता द्वारा किया जाता है। यह कानून निर्माण, बजट पारित करने और सरकार की जवाबदेही तय करने का कार्य करती है।

अध्याय VIII – सीनेट

सीनेट संसद का उच्च सदन है। इसका मुख्य कार्य कानूनों की समीक्षा करना और राष्ट्रीय सभा के कार्यों पर संतुलन बनाए रखना है।

अध्याय IX – राष्ट्रीय सभा और सीनेट की कांग्रेस

यह अध्याय दोनों सदनों की संयुक्त बैठक और उनके संयुक्त कार्यों का वर्णन करता है।

अध्याय X – शाही सरकार

इस अध्याय में प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद और सरकार की शक्तियों का वर्णन है। प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है।

अध्याय XI – न्यायपालिका

यह अध्याय न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। न्यायालयों को निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से कार्य करने की गारंटी दी गई है।

अध्याय XII – संवैधानिक परिषद

संवैधानिक परिषद संविधान की रक्षा करती है और यह तय करती है कि कोई कानून संविधान के अनुरूप है या नहीं।

अध्याय XIII – प्रशासन

इस अध्याय में प्रशासनिक व्यवस्था और स्थानीय शासन से संबंधित प्रावधान दिए गए हैं।

अध्याय XIV – राष्ट्रीय कांग्रेस

यह अध्याय जनता की भागीदारी और राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए राष्ट्रीय कांग्रेस की व्यवस्था करता है।

अध्याय XV – संविधान संशोधन

इसमें संविधान में संशोधन की प्रक्रिया बताई गई है। कुछ प्रावधान ऐसे हैं जिन्हें बदला नहीं जा सकता, जैसे संवैधानिक राजतंत्र की व्यवस्था।

अध्याय XVI – संक्रमणकालीन प्रावधान

इस अध्याय में संविधान लागू होने के बाद की अस्थायी व्यवस्थाओं का वर्णन किया गया है।

---

6. कंबोडिया के संविधान का विस्तृत वर्णन (लगभग 5000 शब्द)

प्रस्तावना

कंबोडिया का संविधान 1993 में लागू किया गया। यह संविधान लंबे गृहयुद्ध, राजनीतिक संघर्ष और खमेर रूज शासन की त्रासदी के बाद अस्तित्व में आया। संविधान का उद्देश्य देश में शांति, लोकतंत्र, मानवाधिकार और राष्ट्रीय एकता स्थापित करना था।

संविधान की प्रस्तावना में कंबोडिया के गौरवशाली इतिहास, अंगकोर सभ्यता और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की भावना का उल्लेख किया गया है। इसमें यह भी कहा गया है कि देश को "शांति का द्वीप" बनाया जाएगा।

कंबोडिया की शासन व्यवस्था

कंबोडिया एक **संवैधानिक राजतंत्र** है। यहाँ राजा राष्ट्राध्यक्ष होता है लेकिन वास्तविक शासन प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद द्वारा चलाया जाता है। यह व्यवस्था ब्रिटेन की संवैधानिक राजशाही जैसी है।

राजा का पद वंशानुगत होने के बजाय निर्वाचित स्वरूप का है। सिंहासन परिषद (Royal Council of the Throne) नए राजा का चयन करती है। राजा राष्ट्र की एकता और स्थिरता का प्रतीक माना जाता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था

संविधान में बहुदलीय लोकतंत्र को स्वीकार किया गया है। इसका अर्थ है कि देश में अनेक राजनीतिक दल चुनाव लड़ सकते हैं। जनता अपने प्रतिनिधियों को स्वतंत्र चुनावों के माध्यम से चुनती है।

संविधान यह सुनिश्चित करता है कि:

- सत्ता जनता से प्राप्त होती है
- कानून के शासन का पालन हो

- चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों
- सरकार जनता के प्रति उत्तरदायी हो

मौलिक अधिकार

कंबोडिया का संविधान नागरिकों को अनेक मौलिक अधिकार प्रदान करता है। ये अधिकार आधुनिक लोकतांत्रिक संविधानों के समान हैं।

1. समानता का अधिकार

सभी नागरिक कानून के समक्ष समान हैं। किसी भी व्यक्ति के साथ जाति, धर्म, लिंग या सामाजिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता।

2. जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार

प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार है।

3. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

नागरिकों को बोलने, लिखने और अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार दिया गया है।

4. धर्म की स्वतंत्रता

लोग किसी भी धर्म को मान सकते हैं। बौद्ध धर्म को विशेष महत्व प्राप्त है, लेकिन अन्य धर्मों की स्वतंत्रता भी सुरक्षित है।

5. शिक्षा का अधिकार

राज्य सभी नागरिकों को शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार है।

6. महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा

संविधान महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की रक्षा पर विशेष बल देता है।

7. श्रमिक अधिकार

कामगारों को उचित मजदूरी, सुरक्षित कार्य वातावरण और यूनियन बनाने का अधिकार प्राप्त है।

संसद

कंबोडिया की संसद द्विसदनीय है:

1. राष्ट्रीय सभा (National Assembly)
2. सीनेट (Senate)

राष्ट्रीय सभा

यह संसद का निचला सदन है। इसके सदस्य जनता द्वारा चुने जाते हैं। यह कानून बनाती है और सरकार को नियंत्रित करती है।

सीनेट

सीनेट उच्च सदन है। इसका कार्य कानूनों की समीक्षा करना और राष्ट्रीय सभा पर नियंत्रण रखना है।

प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद

प्रधानमंत्री सरकार का वास्तविक प्रमुख होता है। वह मंत्रिपरिषद का नेतृत्व करता है। प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय सभा का समर्थन प्राप्त होना आवश्यक है।

मंत्रिपरिषद प्रशासन, नीति निर्माण और कानूनों के क्रियान्वयन का कार्य करती है।

न्यायपालिका

संविधान न्यायपालिका को स्वतंत्र बनाता है। न्यायालयों का कार्य कानून की रक्षा करना और नागरिकों को न्याय प्रदान करना है।

न्यायपालिका के मुख्य सिद्धांत:

- न्यायपालिका की स्वतंत्रता
- निष्पक्ष न्याय
- कानून के समक्ष समानता
- मानवाधिकारों की रक्षा

संवैधानिक परिषद

यह संस्था संविधान की सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए बनाई गई है। इसका कार्य यह देखना है कि संसद द्वारा बनाए गए कानून संविधान के अनुरूप हैं या नहीं।

यदि कोई कानून संविधान के विरुद्ध पाया जाता है, तो उसे अमान्य घोषित किया जा सकता है।

आर्थिक व्यवस्था

संविधान मिश्रित अर्थव्यवस्था को स्वीकार करता है। इसमें निजी संपत्ति का संरक्षण किया गया है।

राज्य की जिम्मेदारियाँ:

- आर्थिक विकास
- कृषि सुधार
- उद्योगों का विकास
- प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा
- गरीबी हटाना

---

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Cambodia

शिक्षा और संस्कृति

संविधान शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार मानता है। राज्य को प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराने और संस्कृति की रक्षा करने का दायित्व दिया गया है।

कंबोडिया की प्राचीन अंगकोर सभ्यता को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक माना गया है।

अंतरराष्ट्रीय संबंध

कंबोडिया स्वयं को शांतिप्रिय और तटस्थ राष्ट्र घोषित करता है। संविधान में कहा गया है कि देश किसी सैन्य गुट में शामिल नहीं होगा और अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने का प्रयास करेगा।

संविधान संशोधन

संविधान में संशोधन संसद द्वारा किया जा सकता है। लेकिन कुछ प्रावधान स्थायी हैं, जैसे:

- संवैधानिक राजतंत्र
- लोकतांत्रिक व्यवस्था
- राष्ट्रीय संप्रभुता

इन्हें बदला नहीं जा सकता।

कंबोडिया के संविधान की विशेषताएँ

1. संवैधानिक राजतंत्र

राजा राष्ट्र का प्रतीक है लेकिन शासन निर्वाचित सरकार करती है।

2. बहुदलीय लोकतंत्र

राजनीतिक दलों को स्वतंत्रता प्राप्त है।

3. मानवाधिकारों की सुरक्षा

संविधान नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है।

4. स्वतंत्र न्यायपालिका

न्यायपालिका को स्वतंत्र बनाया गया है।

5. शक्तियों का विभाजन

विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का विभाजन है।

संविधान की आलोचनाएँ

हालाँकि संविधान लोकतांत्रिक है, फिर भी कुछ आलोचनाएँ की जाती हैं:

- राजनीतिक दलों के बीच असमान शक्ति संतुलन
- विपक्ष पर नियंत्रण के आरोप
- न्यायपालिका की पूर्ण स्वतंत्रता पर प्रश्न
- मानवाधिकार संगठनों द्वारा आलोचना

निष्कर्ष

कंबोडिया का संविधान 1993 देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इसने गृहयुद्ध और राजनीतिक अस्थिरता के बाद लोकतंत्र, मानवाधिकार और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया।

यह संविधान संवैधानिक राजतंत्र, बहुदलीय लोकतंत्र और कानून के शासन पर आधारित है। इसमें नागरिकों के अधिकारों की रक्षा, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और आर्थिक-सामाजिक विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Cambodia

हालाँकि व्यवहार में अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं, फिर भी कंबोडिया का संविधान देश की राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था का मूल आधार बना हुआ है।

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Cambodia

M/s.Adv.Ganesh Shrirang Satarkar & Co.
Published By This Book

THE END

Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932